aglasem.com

FOR MP CPCT EXAM PREPARATION

MP CPCT 2017 Question Paper · Hindi Typing

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT	DATE
MP CPCT	2017	Question Paper	Hindi Typing	13 Aug 2017

SHIFT
Shift 1

Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington GAIL 13th August 2017 shift 1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2017-08-13 14:57:55
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	97359797
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	973597141
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	973597141
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 973597922 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

बहुत समय पहले की बात है हिमालय के जंगलो में एक बहुत ताकतवर शेर रहता था एक दिन उसने बारासिंघे का शिकार किया और खाने के बाद अपनी गुफा को लौटने लगा अभी उसने चलना शुरू ही किया था कि एक सियार उसके सामने दंडवत करता हुआ उसके गुणगान करने लगा।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	97359798
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0

Hindi Typing Test

Section Id :	973597142
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	973597142
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 973597923 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

शनि देव को न्याय का देवता कहा जाता है जो कि शनि मण्डल में निवास करते हैं। उनका रंग गहरा नीला है और उनके सात वाहन हैं। यह सूर्यदेव की दूसरी पत्नी छाया से जन्मे हैं और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इनको तीनों लोकों का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। जब भी कोई जीव पाप, अधर्म, अनीति और अत्याचार करता है तब उसके कर्मों के अनुसार शनि देव उसे दंड देते हैं। पूर्व काल में जब ऋषि अगस्तय राक्षसों के आतंक से पीडित थे तो शनिदेव ने राक्षसों का संहार कर के उन्हे भय मुक्त किया था। जब शनि अपनी माता के गर्भ में थे तब उनकी माता भगवान शंकर की आराधना और तपस्या में इस कदर लीन थीं कि उन्हे खान पान का भी भान न था। उसी के प्रभाव से शनि देव श्याम वर्ण के हुए। शनि का श्याम वर्ण देख कर सूर्यदेव ने छाया पर आरोप लगाया कि शनि उनका पुत्र नहीं है। तभी से शनि अपने पिता से शत्रु भाव रखते हैं। ऐसा कहा जाता है की शनिदेव ने घोर तपस्या से भगवान शिव को प्रसन्न किया था और तब भगवान शिव ने शनिदेव को एक वरदान दिया था। उस वरदान के अनुसार शनिदेव का स्थान सारे नव ग्रहों में सबसे उत्तम होगा। उनके नाम एवं प्रभाव से मानव ही नहीं, बल्कि देवता गण भी भयभीत रहेंगे। बहुत से लोग शनिदेव को साढे साती की वजह से भी जानते हैं। कहते हैं कि हर मनुष्य को तीस साल में एक बार साढे साती आती ही है और इस दौरान यदि कोई नया काम शुरू किया जाये तो उसमे असफलता मिलने के आसार ज्यादा होते हैं। परन्तु ऐसा भी नहीं है कि इस समय में आपको केवल दुख ही दुख मिलेंगे। अगर साढे साती के समय में अच्छे कर्म किए जाए तो शनि उसका अच्छा पुरस्कार भी प्रदान करते हैं। यह एक ऐसा वक्त होता है जो इंसान को कंगाल तक बना सकता है। इसलिए सभी को अपने कर्मों के प्रति सचेत हो जाना चाहिए और अच्छे कर्म का रास्ता अपना लेना चाहिए ताकि आगर साढे साती आ भी जाए तो उसको समाज में केवल सुख ही प्रदान हो। शनि के प्रकोप से कई तरह के रोग भी हो जाते हैं, जैसे गठिया रोग, सुनायु रोग, वात रोग, भगन्दर रोग, पेट के रोग, जांघों के रोग, टीबी, कैंसर आदि। इन रोगों अथवा प्रकोप को शांत करने के लिए लोग बहुत से रत्न भी धारण करते हैं, जिनमें जामुनिया, नीलमणि, नीलिमा, नीलम एवं नीला कटेला अहम हैं। लोग इनमें से एक रत्न चुन कर शनिवार को पुष्य नक्षत्र में धारण करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि इन रत्नों मे किसी भी रत्न को शुद्ध मन से धारण करते ही व्यक्ति की तकलीफों में चालीस प्रतिशत तक आराम मिल जाता है।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes